गतिविधि - 1

प्रश्न पेटी
(Question Box)

प्रश्न पेटी एक ऐसी महत्त्वपूर्ण पाठ्य सहभागी गतिविधि है जिसमें विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर शिक्षकों, विशेषज्ञों और व्यावसायिकों **(Professional)** द्वारा दिए जाते हैं। यह एक प्रभावी परस्पर सहगामी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा किशोर छात्र-छात्राओं को किशोरावस्था प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रामाणिक सूचनाएं दी जा सकती हैं। विद्यार्थी संवेदनशील विषयों पर अध्यापकों और विशेषज्ञों के साथ (जिन्हें स्कूलों में बातचीत के लिए आमन्त्रित किया जा सकता है) चर्चा कर सकते हैं । इसके अतिरिक्त किशोर-किशोरियों को जो सूचनाएं न तो स्कूल से मिल पा रही हैं और न ही अपने माता-पिता से, वे सूचनाएं भी मिल जाती हैं। इस गतिविधि के द्वारा किशोरों में वांछित कौशल निर्माण किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त इस गतिविधि के माध्यम से स्कूलों में किशोरावस्था शिक्षा के सम्बन्ध में उचित वातावरण बनाने में भी सहायता मिलेगी।

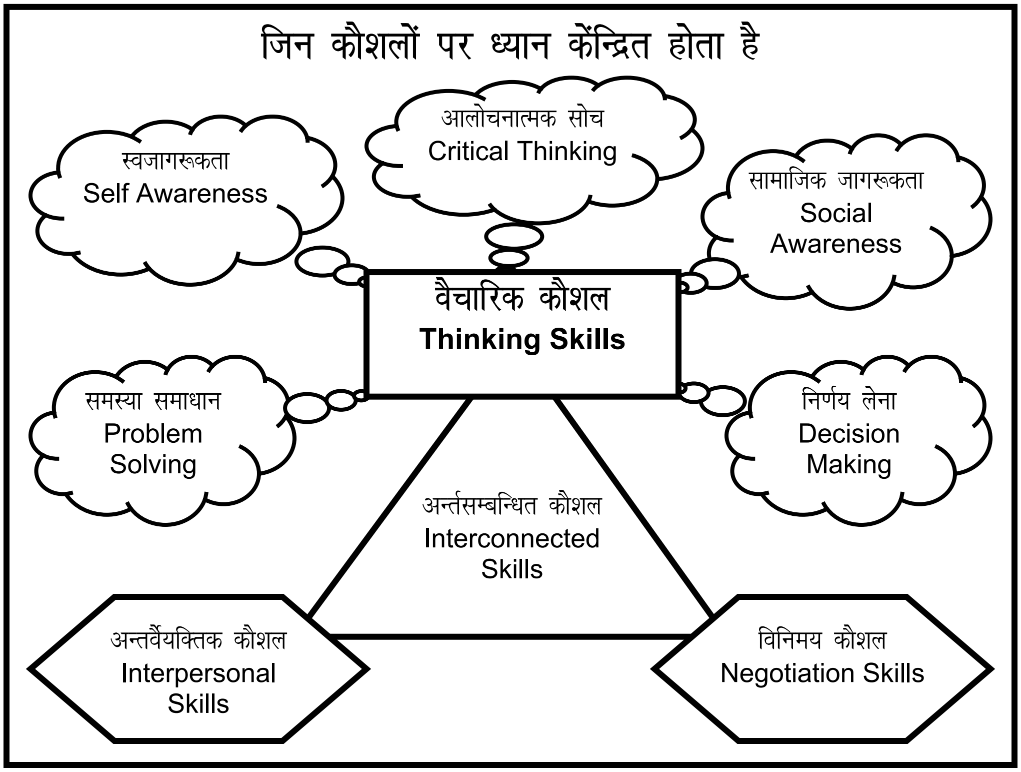

उद्देश्य

1. छात्रों को शारीरिक, शारीरिक सरंचना, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिवर्तन तथा किशोरावस्था विकास सम्बन्धी जानकारी प्रदान करना।

2. एच आई वी **(HIV)** संक्रमण, एड्स **(AIDS),** यौन संचारित रोगों के संचरण **(STDs)**, लक्षण, बचाव तथा संक्रमित व्यक्ति की उचित देखभाल के बारे में आधारभूत जानकारी प्रदान करना।

3. मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से तथा बचाव के उपायों से उन्हें अवगत करवाना।

4. यौन तथा यौन सम्बन्धों, एच आई वी **(HIV)** संक्रमण, एड्स **(AIDS)** और मादक व्यसनों सम्बन्धी अन्धविश्वासों तथा भ्रमों का स्पष्टीकरण करना।

5. किशोरों में प्रजनन और यौन स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्तन कौशल के उपयोग करने की क्षमता पैदा करना।

6. स्कूलों में किशोरावस्था शिक्षा के अधिगम अनुभवों को आयोजित करने के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण करना।

लक्ष्य समूह

सातवीं से बाहरवीं कक्षा तक के किशोर छात्र-छात्राएं।

वांछित सुविधाएं

1. गत्ते, लकड़ी या टिन की बनी हुई प्रश्न-पेटी जिसके ढक्कन पर रेखा छिद्र **(Stilt)** हो जिससे प्रश्न पेटी में डाला जा सके।

2. एक बड़ा अध्ययन कक्ष या एक हाल जहां सभी विद्यार्थी उपयुक्त स्थान ग्रहण कर सकें

समय

एक पक्ष अथवा मास में केवल एक दिन एक या दो घंटे।

प्रक्रिया

1. प्रश्न-पेटी गतिविधि शुरू करने से पहले यह जरूरी है कि छात्रों को गतिविधि के (प्रजनन और यौन स्वास्थ्य सम्बन्धी) विषय की ओर प्रवृत्त किया जाए। स्कूल के प्रशिक्षित अध्यापक अथवा प्राचार्य, अध्यक्ष या कोई विशेषज्ञ अनुकूल वातावरण बनाने में और यौन स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रश्न पूछने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्बोधित करें। इसे सुबह की प्रार्थना के समय या किसी भी समय किया जा सकता है जब सभी सम्बन्धित वर्ग तथा कक्षाओं के छात्र उपस्थित हों।

2. प्रश्नपेटी स्कूल के प्राचार्य, अध्यक्ष अथवा अध्यापक के कमरे में रखी जाए अथवा इसे किसी भी अन्य सुरक्षित एवं सुगम स्थान पर रखा जा सकता है।

3. छात्रों को यह कहा जा सकता है कि वे अपने प्रश्न अथवा किप्रयौस्वा सम्बन्धी समस्याओं को एक छोटे कागज पर बिना अपना नाम लिखे किसी भी समय जब स्कूल लगा हो प्रश्न पेटी में डाल दें।

4. प्रशिक्षित अध्यापक प्रश्न पेटी में छात्रों द्वारा डाले गए प्रश्नों की प्रक्रिया को नियन्त्रित कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि अधिक से अधिक किशोर छात्र उस प्रश्न पेटी में अपने प्रश्न डालें। इसके लिए छात्रों को सुबह की प्रार्थना के समय या सम्बन्धित कक्षा अध्यापकों की सहायता से नियमित अन्तरालों पर प्रेरित किया जा सकता है।

5. यह गतिविधि कक्षा 7 से 12 तक के छात्रों के लिए आयोजित की जाए तो अधिक लाभप्रद हो सकती है। अगर बड़े कमरे की कमी के कारण या किसी और कारण से ऐसा संभव न हो तो विभिन्न स्तरों जैसे अपर प्राईमरी, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक स्तरों के लिए अलग-अलग अथवा कक्षावार भी गतिविधि आयोजित कर सकते हैं।

6. शुरू में इस गतिविधि का छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग आयोजन किया जाना चाहिए।

7. एक बार पर्याप्त संख्या में छात्र प्रश्न पेटिका में अपने प्रश्न डाल दें तो प्रशिक्षित अध्यापक प्रश्नों की छंटनी कर उन्हें विस्तृत क्षेत्रों से सम्बन्धित अलग अलग श्रेणियों में वर्गीकृत कर लें जैसे बढ़े होने की प्रक्रिया, एच. आई. वी. संक्रमण, एड्स और मादक व्यसन। इन प्रश्नों में कुछ सामान्य प्रश्न भी हो सकते हैं।

8. प्रश्नों की छंटनी के बाद अध्यापक यह सुनिश्चित करेंगे कि उन प्रश्नों के उत्तरों के लिए उन्हें किस प्रकार के विशेषज्ञ चाहिएं। वे इसके लिए स्थानीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों, व्यावसायिक परामर्शदाताओं या व्यावसायिकों, जो गैर सरकारी संस्थाओं के साथ काम करते हैं, कि सहायता ले सकते हैं।

9. प्रश्नोत्तर सत्र के लिए एक सुविधाजनक तिथि और समय निश्चित किया जा सकता है जिसमें छात्रों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए जा सकते हैं। अभिभावकों **(parents)** तथा मत-संवाहकों **(opinion leader)** को भी इन सत्रों में आमंत्रित किया जा सकता है।

10. प्रश्नोत्तर सत्र के समापन के बाद प्रशिक्षित शिक्षक समस्त परिचर्चा का संक्षेप प्रस्तुत कर सकते हैं।

11. एक या दो सत्रों के पश्चात परस्पर आदान-प्रदान **(interaction)** द्वारा छात्रों की सहभागिता को बढ़ाने के प्रयास किए जा सकते हैं। ऐसा तभी हो सकता है अगर छात्रों को सम्बन्धित विषयों पर अनुपूरक प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

12. छात्रों को प्रश्नों के उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त कुछ छात्रों को सत्र के शुरू में ही पहचान कर उन्हें परिचर्चा के सारांश की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। छात्रों की बड़ी संख्या में सक्रिय सहभागिता **(active participation)** के लिए विभिन्न विधियां अपनाई जा सकती हैं।

13. छात्रों द्वारा पूछे गए कुछ प्रश्न निजी भी हो सकते हैं। ऐसे प्रश्नों के उत्तर व्यावसायिकों के परामर्श से दिए जा सकते हैं।

14. प्रश्न-पेटी गतिविधि का उपयोग स्कूल में एक अनुकूल वातावरण बनाने के लिए किया जाना चाहिए। इसलिए स्कूल के सभी अध्यापकों को इसमें सम्मिलित करना चाहिए। माता-पिता को भी इसमें जोड़ने के प्रयत्न किए जाने चाहिएं।

15. इस गतिविधि के आयोजन की सार्थकता तभी है यदि इस गतिविधि के आयोजन के दौरान प्रशिक्षित अध्यापक ऐसे किशोर विद्यार्थियों की पहचान कर लें जिन्हें परामर्श की आवश्यकता हो।

पुनर्निवेशन (Feedback)

गतिविधि की सम्पूर्णता पर पुनर्निवेशन के लिए कुछ विशेष पग उठाए जा सकते हैं। सम्बन्धित अध्यापक निम्नलिखित आधार पर विवरण तैयार कर सकते हैं-

1. क्या गतिविधि को आयोजित करते समय उपर्युक्त सभी बातों का ध्यान रखा गया ?

2. प्रश्न पेटी में कितनी प्रश्न पर्चियां डाली गईं ?

3. कितने प्रश्न किशोर-शिक्षा के मुख्य अंगों पर केन्द्रित थे ?

4. गतिविधि के दौरान कक्षावार कितने छात्र, अध्यापक और अन्य लोग उपस्थित थे ?

5. क्या बाहर से विशेषज्ञ/व्यावसायिक आमंत्रित किए गए थे ? यदि हां तो किन एजेंसियों/ संस्थाओं से ?

6. क्या छात्रों ने खुल कर और सक्रियता से परिचर्चा में भाग लिया ? क्या उन्होंने प्रश्नोत्तर सत्र में अनुपूरक प्रश्न मौखिक रूप से पूछे ?

7. कितने प्रश्नों का उत्तर उनकी संवेदनशीलता और परेशान करने वाली सामग्री या किसी और कारण से नहीं दिया जा सका ?

8. क्या इस सत्र में छात्रों की ''किप्रयौस्वा'' संबन्धी उनकी सोच और सम्प्रेषणीयता कौशल और योग्यता के विकास में योगदान मिला ? अगर हां तो कैसे?

9. इस गतिविधि के तीन या चार अवसरों के बाद किप्रयौस्वा से जुड़ी समस्याओं के संदर्भ में स्कूल के वातावरण अथवा **ARSH** छात्रों के व्यवहार में कोई परिवर्तन पाया गया?